# धर्म युद्धों का प्रभाव (भाग 2)

## Impacts of Crusades

For:U.G.Part-1,Paper-2

- सामाजिक जीवन में सौंदर्य तथा खान-पान में स्तरीय रुचि का विकास धर्म युद्ध के कारण हुआ। यूरोप के लोगों का खान-पान, श्रृंगार प्रसाधन, वस्त्र-आभूषण, साज-सज्जा पर एशियाई लोगों का प्रभाव पड़ा। यूरोप के लोग अरबों तथा तुर्को की देखा देखी लंबी दाढ़ी रखने लगे। धान, मकई, तरबूज, नींबू,दरी,रंग, दवाइयां, मसाले, स्वर्ण, रजत आदि वस्तुएं यूरोपियन द्वारा प्रयोग में लाई जाने लगी। यूरोपीय महिलाएं मखमल, मलमल की चुन्नी पहनने लगी। खानों में पूर्वी देशों के मसाले तथा गढ़ के मकान में कालीन एवं पर्दे भी प्रयुक्त होने लगे। धर्म युद्ध के कारण ही पश्चिम के लोग पूरब से सार्वजनिक स्नान तथा गुप्त पैखाने की परिपाटी को सीखे।
- धर्म युद्ध के कारण तरह-तरह की कलाकृतियों, शिल्पकारी और अविष्कारों का यूरोप वालों को पहले पहल पता चला। पवन चक्की का ज्ञान उन्हें एशिया से हुआ। गोल गिरजा घरों के निर्माण की शुरुआत भी प्रारंभ हुई।

Scanned with CamScanner

- पूरब के देशों के आधार पर पश्चिम में अब लोकगीतों तथा रोमानी कहानियों की रचना की जाने लगी। इतिहास, संस्मरण तथा वृताख्यान लिखने की कला का विकास धर्म युद्ध के कारण हुआ। बारूद, मुद्रण यंत्र तथा कंपास का प्रयोग अरबों के कारण यूरोप में होने लगा। अरबों के माध्यम से यूरोप वासियों ने यूनानी ज्योतिष शास्त्र तथा भारतीय गणित शास्त्र का अनुशीलन किया जिससे उनका मानसिक विकास विस्तृत हुआ।
- धर्म युद्ध के कारण यूरोप में आर्थिक परिवर्तन आए। नगरीय सभ्यता का विकास वेनिस, जिनेवा, पिसा, मार्सलीज आदि नगरों में बड़ी तेजी के साथ हुआ। इन नगरों ने वाणिज्य व्यापार के विकास में काफी सहयोग किया। एशिया के ईसाई राज्यों में यूरोपीय सामानों तथा यूरोपीय बाजारों में एशियाई सामानों की बाढ़ आ गई। चतुर्थ धर्म युद्ध में भूमध्य सागर पर यूरोप का अधिकार कायम कर दिया जिसके फलस्वरूप कुस्तुन्तुनिया का महत्व जाता रहा ।
- व्यापार वाणिज्य के विकास ने अर्थव्यवस्था में कई नए परिवर्तन लाए। इटली तथा अरब के निर्माताओं से इंग्लैंड

Scanned with CamScanner

जैसे देश ने जलयान निर्माण कला का ज्ञान हासिल किया। अरबों ने यूरोपियनों को दिक् सूचक यंत्र की जानकारी दी। पूर्वी व्यापार के कारण यूरोप में स्वर्ण निर्मित सिक्के पहुंचने लगे। यूरोपीय देशों में सिसली, फ्लोरेंस तथा वेनिस के नगरों ने इन सिक्कों को सबसे पहले बनाना प्रारंभ किया। निरंतर बढ़ते व्यापार के कारण प्रत्यक्ष पत्रों की शुरुआत हुई जिन्हें आधुनिक बैंक प्रथा का प्राथमिक रूप कहा जा सकता है।

- धर्म युद्ध का यूरोपीय सामरिकता पर भी प्रभाव पड़ा। विशाल एवं अत्यधिक सुरक्षित किलों का निर्माण होने लगा और घेराबंदी की कला एशियाई प्रभाव के कारण पहले से अधिक उन्नत हो गई। युद्ध में डोरी वाले धनुष तथा संवाद वाहक कबूतरों का प्रयोग यूरोप ने एशिया से सीखा।
- धर्म युद्ध से भौगोलिक खोजो को भी प्रोत्साहन मिला वेनेशियन यात्री मार्कोपोलो ने एशिया के सुदूर देशों का पता लगाया। सामुद्रिक खोज और साहसिकता की उस प्रक्रिया की शुरुआत हुई जिसे कोलम्बस, वास्कोडिगामा और मैगलन आदि ने बनाए रखा जिसकी अंतिम परिणति नई

Scanned with CamScanner

दुनिया की खोज में हुई। खोजों के उपरांत ही संभवत 1280 में यूरोप का पहला मानचित्र तैयार किया गया।

- धर्म युद्ध ने पूर्वी साम्राज्य को भी प्रभावित किया। इसी के कारण कुछ समय के लिए कुस्तुन्तुनिया के सुरक्षा संभव हो सकी। तुर्की के निरंतर आक्रमण का प्रक्रिया प्रथम धर्म युद्ध के कारण रुक गई और लगभग 300 वर्षों तक के लिए कुस्तुन्तुनिया का पतन रुका रहा। किंतु चतुर्थ धर्म युद्ध के समय पूर्वी साम्राज्य की इस राजधानी को जी भर के लूटा गया और इसके कलात्मक कृतियों को नष्ट किया गया। इस प्रकार धर्म युद्ध का पूर्वी साम्राज्य पर अच्छा और बुरा प्रभाव दोनों पड़ा।

BY:ARUN KUMAR RAI
Asst.Professor
P.G. Dept.of History
Maharaja College,Ara.

Scanned with CamScanner